Series : S2RPQ

SET-2

प्रश्न-पत्र कोड **29/2/2**

रोल नं. | | | | | | | | |

परीक्षार्थी प्रश्न-पत्र कोड को उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अवश्य लिखें ।

{}

नोट :

(I) कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ **15** हैं ।

(II) प्रश्न-पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिए गए प्रश्न-पत्र कोड को परीक्षार्थी उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें ।

(III) कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में **13** प्रश्न हैं ।

(IV) **कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, उत्तर-पुस्तिका में यथा स्थान पर प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें ।**

(V) इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है । प्रश्न-पत्र का वितरण पूर्वाह्न में 10.15 बजे किया जाएगा । 10.15 बजे से 10.30 बजे तक परीक्षार्थी केवल प्रश्न-पत्र को पढ़ेंगे और इस अवधि के दौरान वे उत्तर-पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे ।

हिन्दी (ऐच्छिक)

HINDI (Elective)

निर्धारित समय : 3 घण्टे | *अधिकतम अंक : 80*

सामान्य निर्देश :

निम्नलिखित निर्देशों को बहुत सावधानी से पढ़िए और उनका सख़्ती से अनुपालन कीजिए :

(i) *इस प्रश्न-पत्र में प्रश्नों की संख्या* ***13*** *है ।*

(ii) *इस प्रश्न-पत्र में* ***तीन*** *खंड हैं –* ***खंड-'क', 'ख'*** *और* ***'ग'*** *।*

(iii) *तीनों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है ।*

(iv) *दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए सभी प्रश्नों के उत्तर लिखिए ।*

(v) *यथासंभव सभी खंडों के प्रश्नों के उत्तर क्रमानुसार लिखिए ।*

खंड – क

(अपठित बोध)

1. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : 8

मैं फिर जनम लूँगा
फिर मैं
इसी जगह आऊँगा
उचटती निगाहों की भीड़ में
अभावों के बीच
लोगों की क्षत-विक्षत पीठ सहलाऊँगा
लंगड़ाकर चलते हुए पाँवों को
कंधा दूँगा
गिरी हुई पद-मर्दित पराजित विवशता को
बाँहों में उठाउँगा ।

इस समूह में
इस अनगिनत अचीन्ही आवाज़ों में
कैसा दर्द है
कोई नहीं सुनता !
पर इन आवाज़ों को
और इन कराहों को
दुनिया सुने मैं ये चाहूँगा ।

मेरी तो आदत है
रोशनी जहाँ भी हो
उसे खोज लाऊँगा
कातरता, चुप्पी या चीखें,
या हारे हुओं की खीज
जहाँ भी मिलेगी
उन्हें प्यार के सितार पर बजाऊँगा
...... मैं कल फिर जनम लूँगा
कल फिर आऊँगा ।

(i) कविता का वक्ता पुनर्जन्म लेने की बात क्यों कर रहा है ? **1**

(A) पूर्व जन्म की इच्छाओं की पूर्ति के लिए

(B) सर्वहारा वर्ग को उनके अधिकार दिलाने के लिए

(C) मातृभूमि की शत्रुओं से रक्षा करने के लिए

(D) देश का पुनरुद्धार करने के लिए

(ii) कॉलम-I को कॉलम-II से सुमेलित कीजिए और उचित विकल्प का चयन कर लिखिए : 1

	कॉलम-I		**कॉलम-II**
1.	कंधा दूँगा	i.	दर्द बाँटना
2.	पीठ सहलाना	ii.	सहारा देना
3.	बाँहों में उठाना	iii.	अपनाना

(A) (1-ii), (2-iii), (3-i)

(B) (1-iii), (2-ii), (3-i)

(C) (1-ii), (2-i), (3-iii)

(D) (1-i), (2-iii), (3-ii)

(iii) 'अचीन्ही आवाज़' किनकी हैं ? 1

(A) सर्वहारा वर्ग की

(B) स्वतंत्रता सेनानियों की

(C) साधारण आदमी की

(D) अपरिचित लोगों की

(iv) काव्यांश में प्रयुक्त 'रोशनी' से क्या अभिप्राय है ? 1

(v) काव्यांश में कौन पुनर्जन्म लेने की बात कर रहा है ? उसकी दो विशेषताएँ लिखिए । 2

(vi) कातरता, चुप्पी या चीखों को प्यार के सितार पर बजाने से क्या अभिप्राय है ? 2

2. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : **10**

जल ही जीवन है, जल को बचा लेना जैसे भावी जीवन को बचा लेना है । गर्मी बढ़ने के साथ ही जल की जरूरत और अधिक महसूस की जाती है । जल-संकट के मौजूदा हालात को देखते हुए जल आपूर्ति के विकल्प के रूप में तरण-तारिणी तालाब के महत्त्व को आज समझने की जरूरत है । जब देश में बड़े-बड़े बाँध अस्तित्व में नहीं थे, तब तालाब ही हमारे सिंचाई का एकमात्र साधन थे । वायु प्रवाह एवम् पर्यावरण के संतुलन की भूमिका में तालाब सहायक रहे हैं । आज जल-प्रबंधन और जल संचयन के हार्वेस्टिंग सिस्टम की जो दलीलें दी जाती हैं वह तालाब की संरचना है । तालाब हमारे जल सरोकार के परंपरागत साधन रहे हैं, उसे और अधिक बृहत् और विकसित रूप देकर इस साधन का अधिकाधिक लाभ ले सकते हैं ।

बढ़ती जनसंख्या को देखते हुए यदि जल आपूर्ति का वास्तविक चिंतन करें तो तालाब को सुविधा के सागर के रूप में देख सकते हैं । लोक जरूरतों को ध्यान में रखते हुए तालाबों के संरक्षण एवं संवर्धन को प्राथमिकता मिले यह समय की जरूरत है । भोपाल का रानी सागर हो, या पाण्डु महल को आकार देता विशाल सरोवर अथवा रायपुर को दर्शनीय बनाता बूढ़ा तालाब, सौन्दर्यीकरण का इससे बेहतर मिसाल वह भी इसके नैसर्गिक रूप में और क्या हो सकता है । नदी, तालाब एवम् सागर से होकर गुजरने वाली हवाएँ बेहतर स्वास्थ्य के लिए आयुर्विज्ञान है ।

तालाब में सिर्फ़ जल ही नहीं होता, अपितु इसमें लोक दर्शन के तत्त्व भी मौजूद होते हैं । ग्राम्य संस्कृति में लोक व्यवहार एवम् ग्राम्य सूचना के दो ही तो केंद्र हैं – पहला चौपाल, दूसरा तालाब । मंगल उत्सव हो या दारुण-गाथा, चर्चा में तल्लीनता देखी व सुनी जा सकती है । हमारे तालाब की लोक-संस्कृति का ही कमाल है कि हम बिना किसी शुल्क के सूर्य दर्शन व प्राकृतिक चिकित्सा का लाभ उठा लेते हैं ।

तालाब हमारी सांस्कृतिक धरोहर है । हमें इसकी वर्तमान दशा को सुधारना होगा तभी भविष्य में उसकी मौजूदगी का लाभ हम ले सकेंगे ।

(i) वर्षा जल संचयन के किस पारंपरिक रूप का वर्णन गद्यांश में किया गया है ? **1**

(A) नदी

(B) तालाब

(C) कुआँ

(D) बावड़ी

(ii) गद्यांश में तालाबों के लिए 'तरण-तारिणी' विशेषण का प्रयोग उसकी किस विशेषता को दर्शाने के लिए किया गया है ? **1**

(A) बच्चों-बड़ों के तैरने के काम आने की

(B) बड़े-बूढ़ों की बातचीत का आधार स्थल होने की

(C) जल-आपूर्ति का प्रमुख स्रोत होने की

(D) धार्मिक रीति-रिवाजों का आधार स्थल होने की

(iii) गद्यांश में रानी सागर, बूढ़ा तालाब और विशाल सागर का उदाहरण किस उद्देश्य से दिया गया है ? **1**

(A) इन तालाबों के रूपाकार से परिचित कराने के लिए

(B) भारतीय संस्कृति में तालाबों की महत्ता दर्शाने के लिए

(C) तालाबों की भव्यता का उल्लेख करने के लिए

(D) मध्य भारत की वास्तुकला से परिचित कराने के लिए

(iv) पर्यावरण-संतुलन बनाए रखने में तालाबों की क्या भूमिका है ? 1

(v) ग्रामीण संस्कृति में तालाबों का क्या महत्त्व है ? 2

(vi) जल-संचयन एवं जल-संरक्षण के बीच का अंतर उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए । 2

(vii) हमारे पूर्वज जल-संचयन और संरक्षण के मामले में हमसे अधिक समझदार थे, कैसे ? स्पष्ट कीजिए । 2

खंड – ख

(अभिव्यक्ति और माध्यम पुस्तक के आधार पर)

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

(i) टी.वी. के संदर्भ में नेट या नेट साउंड से क्या अभिप्राय है ? इनकी क्या उपयोगिता है ? (शब्द सीमा – लगभग **20** शब्द) 1

(ii) भारत में इंटरनेट पत्रकारिता की स्थिति स्पष्ट कीजिए । 2

(iii) खोजी रिपोर्ट और विश्लेषणात्मक रिपोर्ट के बीच का अंतर स्पष्ट कीजिए । 2

4. निम्नलिखित तीन विषयों में से किसी **एक** विषय पर लगभग **100** शब्दों में रचनात्मक लेख लिखिए : **5**

(i) प्राकृतिक आपदाओं का विकराल रूप

(ii) जब मैंने अध्यापक/अध्यापिका की भूमिका निभाई

(iii) जब पिताजी का स्थानांतरण दुर्गम स्थान में हुआ

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लगभग **60** शब्दों में लिखिए : **2 × 3 = 6**

(i) चित्रकला, संगीतकला, नृत्यकला की तरह कविता लेखन की कला सिखाई क्यों नहीं जा सकती ?

(ii) नाटक के मंच निर्देश हमेशा वर्तमान काल में ही क्यों संयोजित किए जाते हैं ? उदाहरण सहित लिखिए ।

(iii) कहानी किसे कहते हैं ? इसके तत्त्वों की संक्षिप्त जानकारी दीजिए ।

6. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लगभग **60** शब्दों में दीजिए : **2 × 3 = 6**

(i) वर्तमान समय में भारत में हिंदी नेट पत्रकारिता की स्थिति स्पष्ट कीजिए ।

(ii) आप जया/जयेश हैं । आपके विद्यालय में 7 सितंबर से 14 सितंबर तक 'हिंदी सप्ताह' मनाया गया । स्थानीय समाचार-पत्र में प्रकाशित कराने हेतु इसकी एक संक्षिप्त रिपोर्ट तैयार कीजिए ।

(iii) आर्थिक पत्रकार को समाचार लेखन करते समय विशेष सावधानी क्यों बरतनी पड़ती है ? स्पष्ट कीजिए ।

खंड – ग

(पाठ्यपुस्तकों अंतरा, अंतराल के आधार पर)

7. निम्नलिखित काव्यांशों में से किसी **एक** की सप्रसंग व्याख्या लगभग **100** शब्दों में कीजिए : **6**

(i) यह मधु है – स्वयं काल की मौना का युग संचय,

यह गोरस–जीवन–कामधेनु का अमृत–पूत–पय,

यह अंकुर–फोड़ धरा को रवि को तकता निर्भय,

यह प्रकृत, स्वयंभू, ब्रह्म, अयुत: इसको भी शक्ति दे दो ।

यह दीप, अकेला, स्नेह भरा

है गर्व भरा मदमाता, पर इसको भी पंक्ति को दे दो ।

(ii) बिधि न सकेउ सहि मोर दुलारा । नीच बीचु जननी मिस पारा ।।

यहउ कहत मोहि आजु न सोभा । अपनी समुझि साधु सुचि को भा ।।

मातु मंदि मैं साधु सुचाली । उर अस आनत कोटि कुचाली ।।

फरइ कि कोदव बालि सुसाली । मुकता प्रसव कि संबुक काली ।।

8. निम्नलिखित गद्यांश के आधार पर दिए गए बहुविकल्पीय प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प का चयन कर लिखिए : **5 × 1 = 5**

बड़ी हवेली की बड़ी बहुरिया ने हरगोबिन को पीढ़ी दी और आँख के इशारे से कुछ देर चुपचाप बैठने को कहा । बड़ी हवेली नाममात्र की ही बड़ी हवेली है । .... बड़े भैया के मरने के बाद ही जैसे सब खेल खत्म हो गया । तीनों भाइयों ने आपस में लड़ाई-झगड़ा शुरू किया । रैयतों ने जमीन पर दावे करके दखल किया, फिर तीनों भाई गाँव छोड़कर शहर में जा बसे, रह गई बड़ी बहुरिया-कहाँ जाती बेचारी ! भगवान भले आदमी को ही कष्ट देते हैं । नहीं तो एक घंटे की बीमारी में बड़े भैया क्यों मरते ? .... बड़ी बहुरिया की देह से ज़ेवर खींच-छीनकर बँटवारे की लीला हुई थी । हरगोबिन ने देखी है अपनी आँखों से द्रौपदी चीर-हरण लीला ! बनारसी साड़ी को तीन टुकड़े करके बँटवारा किया था, निर्दयी भाइयों ने । बेचारी बड़ी बहुरिया ।

(i) गद्यांश में किस खेल के खत्म होने की बात हो रही है ?

(A) लोगों की लगने वाली भीड़ के

(B) भाइयों के बीच बैर-भाव के

(C) हवेली में लगने वाले तमाशों के

(D) बड़ी हवेली की सुख-समृद्धि के

(ii) 'भगवान भले आदमी को ही कष्ट देते हैं' – कथन के समर्थन में विकल्प है –

(A) बड़ी हवेली का नाममात्र का ही बड़ी रहना

(B) कठिन घड़ी में नौकर-चाकरों का चले जाना

(C) बड़े भैया का अचानक मृत्यु को प्राप्त हो जाना

(D) बड़ी बहुरिया से साड़ी और ज़ेवर छीन लेना

(iii) 'रैयतों ने जमीन पर दावे करके दखल किया' – वाक्य में प्रयुक्त 'रैयत' शब्द का अर्थ है –

(A) प्रजा

(B) राजा

(C) जमींदार

(D) महाजन

(iv) 'नाममात्र की ही बड़ी हवेली है' – से अभिप्राय है –

(A) बड़ी हवेली की अवस्था जर्जर हो गई है ।

(B) बड़ी हवेली में अब कोई नहीं रहता ।

(C) बड़ी हवेली की देखभाल करने वाला कोई नहीं है ।

(D) बड़ी हवेली की शानो–शौकत खत्म हो गई है ।

(v) गद्यांश में 'द्रौपदी - चीर–हरण' प्रसंग का उल्लेख क्यों किया गया है ?

(A) महाभारत के प्रसंग से अवगत कराने हेतु

(B) बड़ी बहुरिया की दीन–हीन स्थिति से अवगत कराने हेतु

(C) संपत्ति बँटवारे के दौरान बड़ी बहुरिया के साथ हुए अन्याय को दर्शाने हेतु

(D) संपत्ति बँटवारे के दौरान बड़ी बहुरिया के देवरों की निर्दयता को दर्शाने हेतु

9. निम्नलिखित पठित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्पों का चयन कर लिखिए : $5 \times 1 = 5$

फागुन पवन झँकोरै बहा । चौगुन सीउ जाइ किमि सहा ।।
तन जस पियर पात भा मोरा । बिरह न रहै पवन होइ झोरा ।।
तरिवर झरै झरै बन ढाँखा । भइ अनपत्त फूल फर साखा ।।
करिन्ह बनाफति कीन्ह हुलासू । मो कहँ भा जग दून उदासू ।।
फाग करहि सब चाँचरि जोरी । मोहिं जिय लाइ दीन्हि जसि होरी ।।
जौं पै पियहि जरत अस भावा । जरत मरत मोहि रोस न आवा ।।
रातिहु देवस इहै मन मोरे । लागौ कंत छार जेऊँ तोरे ।।
यह तन जारौं छार कै, कहौं कि पवन उड़ाउ ।
मकु तेहि मारग होइ परौं, कंत धरैं जहँ पाउ ।।

(i) फागुन मास की शीत को चौगुना कौन बढ़ा रहा है ?

(A) वृक्षों से झरने वाले पत्ते

(B) पवन के झँकोरै

(C) वनों की ढाँखे

(D) होली का पर्व

(ii) वृक्षों से झरने वाली बन ढाँखों से विरहिणी नायिका का क्या संबंध है ?

(A) विरहिणी की विरह-वेदना को बढ़ा रही हैं ।

(B) राजा रत्नसेन की याद दिला रही हैं ।

(C) प्रिय मिलन की धूमिल आशाओं को दर्शा रही हैं ।

(D) उसे अतीत की स्मृतियों में ले जा रही हैं ।

(iii) निम्नलिखित कथन तथा कारण को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उचित विकल्प का चयन कर लिखिए :

कथन : नागमती अपने शरीर को जलाकर राख कर देना चाहती है ।

कारण : राख के रूप में प्रिय के चरण स्पर्श करने का सौभाग्य प्राप्त करना चाहती है ।

(A) कथन तथा कारण दोनों गलत हैं ।

(B) कारण सही है, लेकिन कथन गलत है ।

(C) कथन सही है, लेकिन कारण कथन की गलत व्याख्या करता है ।

(D) कथन तथा कारण दोनों सही हैं तथा कारण कथन की सही व्याख्या करता है ।

(iv) कॉलम-I को कॉलम-II से सुमेलित कीजिए और उचित विकल्प का चयन कर लिखिए :

	कॉलम-I		**कॉलम-II**
1.	शरीर को जलाकर राख कर देना	i.	रानी नागमती का कांतिहीन शरीर
2.	वृक्षों से झरे पीले पत्ते	ii.	होली के अवसर पर प्रसन्नता व्यक्त करना
3.	सबका चाँचरि जोर कर खेलना	iii.	सर्वस्व त्याग और समर्पण की भावना

(A) (1-i), (2-iii), (3-ii)

(B) (1-iii), (2-i), (3-ii)

(C) (1-ii), (2-iii), (3-i)

(D) (1-ii), (2-i), (3-iii)

(v) काव्यांश के मूल भाव को व्यक्त करने वाला कथन नहीं है –

(A) फागुन आते ही सब रेशमी वस्त्र धारण कर श्रृंगार करने लगते हैं ।

(B) फागुन का प्राकृतिक उल्लास नागमती के दुख को दुगुना कर रहा है ।

(C) होली का पर्व नायिका की विरह–अग्नि को बढ़ा रहा है ।

(D) नागमती दिन–रात राजा रत्नसेन से मिलन की कामना करती है ।

10. गद्य खंड पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लगभग **40** शब्दों में लिखिए : **2 × 2 = 4**

(i) आचार्य शुक्ल की बाल बुद्धि भारतेंदु हरिश्चंद्र और राजा हरिश्चंद्र नाटक के नायक हरिश्चंद्र में अंतर क्यों नहीं कर पाती थी । पाठ के आधार पर लिखिए ।

(ii) 'मेरे सिर पर सींग निकल रहे थे' – 'शेर' कहानी से उद्धृत इस कथन का क्या आशय है ? लेखक शहर से जंगल की ओर क्यों भागा था ?

(iii) अतुलित प्राकृतिक सौंदर्य के बावजूद सिंगरौली 'कालापानी' के नाम से क्यों जाना जाता है ? पाठ के संदर्भ में लिखिए ।

11. काव्य खंड पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लगभग **40** शब्दों में लिखिए : **2 × 2 = 4**

(i) 'बहुत दिनान को' – कवित्त के आधार पर घनानंद की स्थिति का वर्णन कीजिए ।

(ii) 'वह लता वहीं की, जहाँ कली तू खिली' – पंक्ति में प्रयुक्त 'लता और कली' की प्रतीकात्मकता स्पष्ट करते हुए पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए ।

(iii) वसंत आगमन पर बनारस शहर की जागृति और चेतना का वर्णन कविता के आधार पर कीजिए ।

12. निम्नलिखित गद्यांशों में से किसी **एक** की सप्रसंग व्याख्या लगभग **100** शब्दों में कीजिए : **6**

(i) कुछ खाँसकर, गला साफ़ कर नकली परदे के हट जाने पर स्वयं विस्मित होकर बालक ने धीरे से कहा, 'लड्डू' । पिता और अध्यापक निराश हो गए । इतने समय तक मेरा श्वास घुट रहा था । अब मैंने सुख से साँस भरी । उन सबने बालक की प्रवृत्तियों का गला घोंटने में कुछ उठा नहीं रखा था । पर बालक बच गया । उसके बचने की आशा है क्योंकि वह 'लड्डू' की पुकार जीवित वृक्ष के हरे पत्तों का मधुर मर्मर था, मरे काठ की अलमारी की सिर दुखाने वाली खड़खड़ाहट नहीं ।

(ii) पहचानता हूँ उजाड़ के साथी, तुम्हें अच्छी तरह पहचानता हूँ। नाम भूल रहा हूँ। प्राय: भूल जाता हूँ। रूप देखकर प्राय: पहचान जाता हूँ, नाम नहीं याद आता। पर नाम ऐसा है कि जब तक रूप के पहले ही हाज़िर न हो जाए तब तक रूप की पहचान अधूरी रह जाती है। .... सैकड़ों बार का कचारा-निचोड़ा प्रश्न सामने आ गया – रूप मुख्य है या नाम ? नाम बड़ा है या रूप ? पद पहले है या पदार्थ ? पदार्थ सामने है, पद नहीं सूझ रहा है। मन व्याकुल हो गया। स्मृतियों के पंख फैलाकर सुदूर अतीत के कोनों में झाँकता रहा।

13. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लगभग **100** शब्दों में दीजिए : **2 × 5 = 10**

(i) निराशा, ग्लानि, चिंता और क्षोभ के अपार जल में गोते खाते सूरदास को ऐसा कौन सा मंत्र मिला कि रोते-रोते उठ खड़ा हो वह विजय-गर्व की तरंग में राख के ढेर को दोनों हाथों से उड़ाने लगा ? 'सूरदास की झोंपड़ी' पाठ के आधार पर लिखिए।

(ii) 'बिस्कोहर की माटी' पाठ में वर्णित बरसात की तुलना अपने क्षेत्र की बरसात से कीजिए।

(iii) विकास की औद्योगिक सभ्यता के विनाश की अपसभ्यता बनने के क्या कारण हैं ? पर्यावरणीय संतुलन बनाए रखने के उपायों का उल्लेख कीजिए।